Publication	**Millennium Post**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	21/06/2025	**Page no**	7
CCM	16.23		

Amit Shah opens new headquarters of the MACCIA

Amit Shah opens new headquarters of the MACCIA

NEW DELHI: Union Home Minister and Minister of Cooperation Amit Shah today inaugurated the newly constructed headquarters of the Maharashtra Chamber of Commerce, Industry and Agriculture (MACCIA) in Mumbai and participated in a state-level cooperative industrial conference.

On this occasion, Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis, Union Minister of State for Cooperation Murlidhar Mohol, and several other dignitaries were present.

In his address, Shah said that everything Seth Walchand Ji initiated in his lifetime not only pioneered in its field but also served industry, society, Maharashtra, and the nation for years.

He noted that Seth Walchand Ji was an industrialist who, alongside developing his companies, paid attention to what the country needed.

Shah stated that when a visionary rises above personal interests to lay the foundation for something, they receive divine blessings. AGENCIES

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Amar Ujala**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	21/06/2025	**Page no**	15
CCM	11.49		

Co-operative sector grew unevenly

असमान रूप से बढ़ा सहकारिता क्षेत्र

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश के भीतर सहकारिता क्षेत्र में वृद्धि असमान रही है और सरकार का इरादा इसे एकसमान रूप देने का है। शाह ने यहां भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नैफेड) की तरफ से आयोजित सहकारिता सम्मेलन में कहा कि सहकारिता क्षेत्र केवल देश के पश्चिमी भागों में ही स्थिर रहा जबकि उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में यह कमजोर रहा। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद इस क्षेत्र की वृद्धि को एकसमान रूप देना है। सहकारी क्षेत्र सीमित पूंजी के साथ अधिक लाभ प्रदान करके अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। शाह ने कहा, देश में सभी स्तरों पर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करके इसकी प्रगति करेंगे। जीडीपी देश की वृद्धि का एकमात्र मापदंड नहीं है। सहकारी क्षेत्र कम पूंजी में अधिक लाभ और रोजगार के अवसर प्रदान करके वृद्धि एवं अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। ब्यूरो

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Bhaskar**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	21/06/2025	**Page no**	14
CCM	22.82		

Cooperation is the traditional life philosophy of India: Amit Shah

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत के लिए पारंपरिक जीवन दर्शन है सहकारिता: अमित शाह

भास्कर न्यूज | मुंबई

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि पूरी दुनिया के लिए सहकारिता एक आर्थिक व्यवस्था हो सकती है, लेकिन भारत के लिए पारंपरिक जीवन दर्शन है। साथ रहना, सोचना, काम करना, एक लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ाना और सुख-दुख में साथ निभाना भारतीय जीवन दर्शन की आत्मा है। लगभग 125 साल पुराना सहकारिता आंदोलन इस देश के कई उतार-चढ़ाव में देश के गरीबों, किसानों और ग्रामीण नागरिकों, खासकर महिलाओं का सहारा बना है।

शाह मुंबई में 'अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025' के उपलक्ष्य में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) के बनाए नए उत्पादों का शुभारंभ किया। इन उत्पादों में मुख्य रूप से 5 प्रकार के 'रेडी टू ईट' खाद्य उत्पाद शामिल हैं। शाह ने कहा, बहुत जल्द नेफेड किसानों से सीधी खरीद शुरू करेगा, जिससे कृषि उत्पादन प्रक्रिया से बिचौलियों को हटाया जा सकेगा। इस कदम से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। शाह ने कहा, सहकारिता आंदोलन के तहत अमूल, भारतीय कृषक सहकारी उर्वरक लिमिटेड (इफ्को), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) या भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) ने सफलता की ढेर सारी गाथाएं रची हैं।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Jagran**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	21/06/2025	**Page no**	16
CCM	9.48		

Co-operatives are a means of earning more profit with less capital: Shah

सहकारिता कम पूंजी में ज्यादा मुनाफे का माध्यम : शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने देश भर की सहकारी इकाइयों का डाटा एकत्र कर लिया है। इसके जरिये यह पता चल गया है कि कहां-कहां इस क्षेत्र में खामियां हैं। इसी आधार पर योजनाएं बनाई जा रही हैं। शाह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर मुंबई में शुक्रवार को नेफेड की संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि सहकारिता कम पूंजी में अधिक मुनाफा और रोजगार का माध्यम है। वहीं मुंबई राब्यू के अनुसार मुंबई महानगरपालिका व निकाय चुनावों से पहले शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। कहा कि इन दलों ने मुंबई को भगवान के भरोसे छोड़ दिया था।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Jagran (Rashtriya)**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	21/06/2025	**Page no**	4
CCM	59.16		

Co-operatives are a means of earning more profit with less capital: Shah

सहकारिता कम पूंजी में ज्यादा मुनाफे का माध्यम : शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा-देश में असंतुलित रहा सहकारिता का विकास, अब हर कोने में होगा विस्तार
- आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का माध्यम बनने की ओर अग्रसर है सहकारिता

मुंबई में शुक्रवार को राष्ट्रीय सम्मेलन 'सहकार से समृद्धि 2025' के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नेफेड के विभिन्न उत्पादों को लांच करते हुए। एएनआइ

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में सहकारिता आंदोलन का विकास अब तक असंतुलित रहा है। यह सिर्फ पश्चिमी भारत के राज्यों में स्थिर हो पाया, जबकि उत्तर और पूर्व में अपेक्षाकृत कमजोर रहा। मगर अब सरकार इसे संतुलित और व्यापक रूप देने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। सहकारिता मंत्रालय ने देशभर की सहकारी इकाइयों का डाटा एकत्र कर लिया है। इसके जरिये यह पता चल गया है कि कहां-कहां इस क्षेत्र में खामियां हैं। इसी आधार पर योजनाएं बनाई जा रही हैं। शाह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर मुंबई में शुक्रवार को नेफेड की संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

सहकारिता के विस्तार की जरूरत बताते हुए अमित शाह ने कहा कि हमारे देश के लिए यह सिर्फ आर्थिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि जीवन दर्शन है। साथ में आना, साथ में सोचना और साथ में काम करना। यह कम पूंजी में अधिक मुनाफा और रोजगार का माध्यम है। यह जीडीपी से अलग सामाजिक एवं आर्थिक विकास का दूसरा मजबूत आधार है। शाह ने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि 36 लाख महिलाएं अमूल से जुड़ी हैं। जिसके पास कभी सौ रुपये की पूंजी नहीं थी, आज वही संगठन 80 हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर कर रहा है।

शाह ने टैक्सी ड्राइवरों के लिए सहकारी टैक्सी योजना की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि सहकारी माडल की यह नई पहल है। इसमें टैक्सी चालक न केवल सेवा से जुड़े होंगे, बल्कि वह सहकारी टैक्सी के मालिक भी होंगे। मुनाफे की राशि सीधे उनके खातों में जाएगी। अमित शाह ने जैविक खेती और बीज संरक्षण को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया और कहा कि अगले 10 वर्षों में जैविक उत्पादों और बीज क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। दाल, मक्का और तिलहन जैसी फसलें अब नेफेड एप पर पंजीकरण करके बेची जा सकती हैं। यदि एमएसपी की तुलना में बाजार भाव ज्यादा है तो किसान अपनी उपज को मनचाही एजेंसियों को भी बेच सकते हैं।

****

Downloaded from
SAMVAD